पिठोरी अमावस्या व्रत कथा PDF

बहुत पहले की बात है। एक परिवार में सात भाई थे। सबकी शादी हो चुकी थी। सबके छोटे–छोटे बच्चे भी थे। परिवार की सुरक्षा के लिए सातों भाइयों की पत्नियां पिठौरी अमावस्या का व्रत रखना चाहती थीं। लेकिन पहले साल जब बड़े भाई की पत्नी ने व्रत रखा तो उसके बेटे की मृत्यु हो गयी। दूसरे वर्ष एक और पुत्र की मृत्यु हो गई। सातवें साल भी यही हुआ।

फिर इस बार बड़े भाई की पत्नी ने अपने मृत बेटे का शव कहीं छुपा दिया। गाँव की कुल देवी माँ पोलेरम्मा उस समय गाँव के लोगों की रक्षा के लिए पहरा दे रही थीं। जब उसने अपनी माँ को इस दुःखी देखा तो उसने इसका कारण जानना चाहा। जब बड़े भाई की पत्नी ने सारी कहानी बताई तो देवी पोलेरम्मा को दया आ गई।

उन्होंने दुखी मां से उन स्थानों पर हल्दी छिड़कने को कहा जहां उनके बेटों का अंतिम संस्कार किया गया था। माँ ने वैसा ही किया। जब वह घर लौटी तो अपने सातों पुत्रों को जीवित देखकर बहुत प्रसन्न हुई। तभी से उस गांव की हर मां अपने बच्चों की लंबी उम्र की कामना के लिए पिठौरी अमावस्या का व्रत करने लगी।

pdfinbox.com